



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—पार्ट 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

मा० 267] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 31, 1990/कार्तिक 9, 1912  
No. 267] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 1990/KARTIKA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लिये में रखा या सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### बाणिज्य मंत्रालय

(प्रायात आवाग नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 79-प्राईटी सी (पी एन) /90—93

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1990

विषय:—गंगीत नाटक आवादमी के लिए 44 मिलियन येन की सांस्कृतिक अनुदान सहायता संबंधी लाइसेंस दर्ता

फाइल सं. आई पी सी/ 3(64)/90-93 :—1989-90 के लिए 44 मिलियन येन (44,000,000 येन) की आवादी सांस्कृतिक सहायता अनुदान के अन्तर्गत जानात में भारतीय पत्तनों पर उपस्कर के परिवहन के लिए आवश्यक श्रवण और दृश्य उपस्कर तथा मेजावों के आवाद पर लागू होने वाली रूप से इस सार्वजनिक सूचना के परिचालन में दी गई है जिससे सूचनार्थ एवं द्वारा व्यक्तिगत किया जाता है।

तेजेन खाना, मुख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 79-आई टी सी (पी एन) /90-93, विनांक 31-10-90 का परिचय

वर्ष 1989-90 के लिए चावालीस मिलियन येन (44,000,000) की आयाती सांस्कृतिक अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयात से उपस्करों का भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए श्रवण दृश्य उपस्कर और सेवाओं के आवाद हेतु लाइसेंस दर्ता

### खण्ड-1 आमान्य गते

1. (1) वर्ष 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की आयाती अनुदान सहायता संगीत और नाटक भ्रातारमी द्वारा श्रवण दृश्य उपस्कर के आयात के लिए और उसके भारतीय पत्तनों पर आवश्यक परिवहन सेवाओं के लिए आयाती संभरको को की जाने वाली अदायगी के वित्ती पोषण के लिए है।

1. (2) आयातके नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 44 मिलियन येन (लागत यीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए आई नहीं किए जाने चाहिए, और उन पर एक शीर्षक "1989-90" के लिए 44 मिलियन येन की आयाती अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रश्न के लिए लाइसेंस बोड "एस/जे एन" होगा। परन्तु सामान्य रूप से लाइसेंस के अन्तर्गत अने वाली सदों के लिए कोई आयात लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1. (3) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रूपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होने और लाइसेंस पर ही प्रसाकृत किए जाएंगे।

1.(4) उपस्कर की प्राप्ति इस अनुदान के अन्तर्गत जापान से ही की जाए।

1.(5) आयात साइंस सागत बीमा भाड़ा आधार पर जारी किया जाएगा जो कि 31-3-1991 तक वैध रहेगा।

1.(6) संविदा में नकद आधार पर प्रथम बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोनलदान वस्ताविजों को प्रत्युत करने पर भुगतान की अवस्था होनी चाहिए। उसमें सुरुदंगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार अवस्था होनी चाहिए।—

“मुपुर्दंगी 15-3-1991 तक पूर्ण की जानी है।”

1.(7) संविदा का मूल्य लागत और भाड़ा य, जहाज पर्यन्त तिःशुल्क मूल्य आधार पर यैन में शर्याया जाना चाहिए (यैन की विश्व को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अधिकारी का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अधिव्यवहर नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त नियुक्त लागत और भाड़ा धनराशि अन्तर-अन्तर ग्रदासित की जानी चाहिए, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खंची वास्तविक आधार पर वैध होगा या ठेके में निर्विष्ट किए गए भाड़े का वास्तविक लक्ष्यों के अतिरिक्त यैन धनराशि होगी।

1.(8) अब संविदा जापानी यैन में केवल जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी वैध अवधियों के साथ की जानी चाहिए। एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) जिसमें संभरक की पात्रता व्यापी गई हो प्रत्येक संविदा के साथ जोड़ी जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में नियंत्रित शर्त विशेष स्पष्ट से समाप्तिष्ठ होनी चाहिए।

2.(1) 1989-90 के लिए 44 मिलियन यैन की अनुदान सहायता से संबंद्ध इस संविदा की अवस्था 25 अप्रैल, 1990 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार भी गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2.(2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1989-90 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आधिकारिक कार्य विभाग, इण्डियन आयल बचन 5वीं तक (बी. विंग), जनपथ, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2.(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और वस्ताविजों को प्रस्तुत करने के लिए महसूल हैं जो एक और भारत सरकार द्वारा और इंडिया सरकार द्वारा प्रदेशित हों।

2.(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विचार कियर्थ करके पोनलदान की व्यवस्था करने के लिए महसूल हो गया हो और इस उद्देश्य से वह शामिल माल की डिलीवरी के कार्यवाय के बारे में भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचित करता रहेगा और कम-मो-कम छः हजार पैसे अपेक्षित पोनलदान की अधिसूचना भारतीय दूतावास को देगा ताकि समुचित अवधि की जा सके। अपवाद स्वरूप अगर आयातकर्ता चाहे भी नोटिस की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोनलदान के बाद आयातकर्ता को केवल द्वारा आवश्यक और की सूचना देने के लिए भी सहमत होगा तथा उसकी एक प्रति भागीय दूतावास टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन।

3.(1) जैसे ही अदेशों को व्यापक रूप दे दिया जाते हैं, नामेंगाधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत इन्स्ट्रुमेंट ठेके की पात्र प्रतियों या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्षय भारदंग के

क्षय जापानी संभरक द्वारा विधिवत वैध से पुष्टिकरण अदेश की बार प्रतियों सहित सभी प्रकार से पूर्ण फॉर्म प्रतियों के साथ अनुबन्ध 1 के प्रपत वं “ए/पी जारी करने के अवेदन” की दो प्रतियों सहित प्रब्रव गचिल (टी.ए.) आधिकारिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा जीवनपथ वस्तु या उसकी कीमत के प्रावधानिक आशोधनों से उन्वें गमी संविदा मजूदानों के लिए भी लागू होगी।

3.(2) वित्त मंत्रालय (टी.ई.ए.) जापान अनुमान 1989-90 के लिए 44 मिलियन यैन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन विनादान देने के लिए संविदा की दो प्रतियों जापान प्रकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सेट लेखा परीक्षा व लेखा विषयक भारत के दूतावास, टोकियो को भी साथ-साथ भेजा जाएगा।

3.(3) जापान प्रकार में ठेका अनुमोदन प्राप्त करने पर वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्य विभाग, नार्थ ड्वाक जापान अनुमान उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा विभाग, वित्त मंत्रालय, इण्डियन आयल बचन, 5वीं तल, बी. विंग जनपथ, नई दिल्ली-110001 को देगा जोकि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए वैक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध-2 के अनुमान एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियों भारत सरकार का दूतावास टोकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आधिकारिक कार्य विभाग को भेजी जाएंगी।

3.(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के आद वैक आफ इंडिया टोकियो जापान द्वारा, भारत का राजदूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और नामेंगाधा लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देने हुए उग्र प्राप्ति की सूचना से संभरक को भवगत कराएगा।

3.(5) पोनलदान करने के बाद जापानी संभरक प्रपत बैंकों के साथ-साथ से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज वैक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज मती पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपते वैकों के माध्यम से दियी जाएगी।

3.(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की अवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो ने दो वैकिंग प्रवारों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत गवर्नर के लेखे को प्रभावित किए विना सामान्य बैंक सूची के माध्यम से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा तय किया जाएगा।

खण्ड-1 गम्या नियोपकरने के लिए उत्तरदायित्व

4.(1) मूल्य परामर्शदाता पोन परिवहन दस्तावेज वैक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के प्रभावित बैंक को भेजें जाएंगे जो कि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबन्ध-1 में (ए) पर यथा उल्लिखित किसी राष्ट्रीय-कृत बैंक की पाक शाखा द्वारी जो संबंधित आयातक को प्रशासनपत्र जाहाज-रानी दस्तावेज रिझार्टरने में पूर्ण इस बात को सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को चुकाई गई यैन भुगतान की नमस्तुत्य दृष्टये भी धनराशि के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की नियि से वास्तविक रूपये जमा करने की नियि नक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से द्वार और औप्रवाह अवधि के लिए 18% प्रतियों की दर से हिसाब लगाकर आज सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 10-8-83 और 35-आई टी.सी.पी.पै.83, दिनांक 26-8-83 की गती के अवावर रूपया व्याज के प्रभावों सहित उस धनराशि के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से

कर दिया गया है। व्याज वोनों विनों अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी नेब्रे में रुपया जमा किया जाता है, वे यह है वेक्षण सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 76-आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 के अन्तर्गत यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 20-7-87 की जारी के अनुसार आयातक द्वारा किए जाने वाले रुपये निश्चेपों को निकटतम रुपये में जिता जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए मेन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की वर्त मुगतान की नारीब को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो मूल्य नियंत्रक आयात-निर्यात की भार्वजनिक सूचना सं. 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 तथा सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन पी)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्वाचित तरोंके के अनुसार निश्चित की गई हो या जो मूल्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय बैंक के द्वारा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के भावधम से भरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो। इन वर्तमान में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आयातक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह मुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक को जिम्मेदारी होगी कि देश धनराशि आयातकों को आयात वस्तावेज तोने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह मुनिश्चित कर देना चाहिए कि देश धनराशि अपने अणुवानाओं से वस्तावेजों की मुद्राई जैने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह मुनिश्चित करने के लिए आयातक की गिम्मेदारी होगी कि देश धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही शब्द वे विशेष परिवर्तनों के अन्तर्गत संभाल्यक प्राधिकारियों भें मूल पीन-परिवहन वस्तावेज के बिना ही मात्र की मुद्राई प्राप्त करते हों। यदि आयातक सरकार को देश धनराशि को माल की मुद्राई जैने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आपो के लिए उसे प्राधिकार धन देना वह दर दिया जाए। जिस देश जोने में उत्पन्न शारीर निश्चेप किया जाएगा वह “के हिस्तिक्षा एप्पड प्रॅक्रिटिक-3443-पीनोंप ।८०-जिट्स-डिपार्टमेंट नाट व्यात्य इन्स्ट्रूमेंट्स नाट्न कार परवर्जन बॅट्टा एप्पड परवेज अप्पर प्रॅट एप्प रोट्स दि गवर्नर्मेंट आफ जापान कार 1989-90 ग्रॉट कार दि परवेज आफ आडियो जिजुल इक्स्प्रेस/परिसिज दाई दि संगीत नाटक भक्तिमी।

4.(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या नी भारतीय रेजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, नीस हारारी, दिल्ली में आलान के ऊपर बाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 या चंकेत रेते हुए या ऐसा संभव न हो जो भारतीय स्टेट बैंक या उसके किसी अनुबंधी शाखा या किसी राष्ट्रीय बैंक (इयर) ने उत्पात्त एप्पड लेहर दो भारतीय स्टेट बैंक, नीस हारारी, दिल्ली-६ (श्री एप्प रेज) को दिया किया जाए नियंत्रक भरकार को आयात नार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में योग्य-निर्धारित रुप में जमा होना चाहिए।

4.(3) सरकार, द्वारा ऐसा किया जाने के बाद जान दिनों के भावर में संबंध बैंक भी ऊपर नियंत्रित तरोंके में यह आर्टिक्युल धनराशि सेवा खर्चों के नियंत्रण भेजेगा। जो भारत सरकार द्वारा जाने जाए। आलान के विभिन्न कालामों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकरों को हर यात को सुनिश्चित करना जाना चाहिए कि गोदंतिक मूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 के रेंज 2 में नियंत्रित सूचना चालान के कानून “धन परेश्वर” और प्राप्तिकारी (परि नोई एप्प) के पूर्ण व्यौदे में अन्तर्गत रूप से नियंत्रित किए गए हैं। अजाना जानने में नियंत्रित व्यौदे नियंत्रण द्वारा से अनुबंध जाने चाहिए।

(क) वित्त भवालय के “भाविकार पत्र” की संख्या और दिनांक।

(ख) येन भुदा की बह धनराशि जिसके संबंध में अनुबंध गई पर्दि बर्नन की वर के साथ निश्चेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) अदा किए गए व्याज की राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है।

(ङ) कुल जमा राशि।

(व्याज की गणना जापानी संभरक को भवायगी की तारीख से और उस तारीख तक जिस तारीख को समकक्ष रूपमा भरकारी जाने में जमा कराया है की जाएगी।

उसके पश्चात् सी.ए.ए.एप्प ए. द्वारा जारी किए गए प्राप्तिकार का सन्दर्भ वेते हुए और बीजक तथा पीन-परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साक्ष्य वेते हुए पंजीकृत आक द्वारा सी.ए.ए.एप्प ए. को भेजा जाता है।

टिप्पणी—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि व्ययों का निश्चेप भारतीय बैंक टोकियो की अदायगी के सूचना और अपरिवर्तनीय पोलनवान दस्तावेज को प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर नियंत्राव रूप से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.एप्प ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4.(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निश्चेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और प्रतिवर्ती “पृष्ठ” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजना चाहिए।

#### खण्ड-5 विधि व्यवस्थाएः

5.(1) अनुदान सहायता के उत्तरोग करने को रिपोर्ट।

संभरक को की जाने वालों अवाकाशियों की गणि और तारीख को सुनिश्चित करने के लिए आयातक को प्राप्त से व्यवस्था करनी होगी। आयातक के बैंक द्वारा देश वालिक्ष्म से प्राप्त वाल वर्तवहन इत्यादि प्राप्तियों की प्राप्ति के रुपया निश्चेप राशि पर देश व्याज राशि को आंशिक दा पूरी रूपे में दरने वाले काला नहीं माना जाएगा।

आयातक का पोनजदान और उसके प्रधीन किए गए भुगतान अर्थ धनराशि के बारे में गावधान खोलने के बाद एक मासिक रिपोर्ट महाकाल लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्र नव द्वितीय आयत भरन, 5 वा तल (प्री. विग) जनरल, नई दिल्ली-110001 की भेजनी चाहिए।

5.(2) आयातक को उन किसी विशेष उपलब्धों से संभरक की अवगत करना दिया जाना चाहिए जो इस अनुबंध सहायता के अन्तर्गत माल के साते में संभरक पर प्रगत आता है।

5.(3) विवर

5.३ भग्स लेना चाहिए जिस उपलब्धारी आर.म भरतों के ओर कोई विवाद उठेना तो उसके लिए भरत मरकार कोहि उत्तरायित्व नहीं लेगी। भारतीय स्टेट बैंक टोकियो द्वारा दिए गए भुगतान से वहां संभरक द्वारा पूरा का जाने वाले तरों अनुबंध। में “भुगतान की जानी” के अन्तर्गत व्यक्ति तरत्र से स्पष्ट कर देनी चाहीए। तंत्रिका की जारी में विवाद में निपटान भ संज्ञ व्यवस्थाएः गामिल होना चाहिए।

5.(4) भावी अनुबंध

जानान में 1989-90 के लिए यह अनुबंध भरत व्यापार के अन्तर्गत आयात लाइसेंस या उसके गंवध में जब खड़े होने वाले किसी मामले या मधी भागलों में संबंधित या जानान से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आमारीं पूरी वृद्धि करने के लिए भरत मरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निश्चेपों या अवेषों का साझेसाहारी को तुरन्त पालन करना होगा।

## 5. (5) भ्रतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के भ्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्धारित (तिक्षण) प्रधिनियम के प्रधीन उचित कार्यवाही की जाएगी ।

## 5. (6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध-1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध ।

अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र ।

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्राप्तेना पत्र संख्या—

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग,

“बी” विंग 5 बां तल, अनपथ भवन,

अनपथ, नई दिल्ली ।

विषय:-44 मिलियन येन की 1989-90 के लिए जापानी भुगतान सहायता के अंतर्गत श्रवण दृष्ट्य उपकरणों और उनका भारतीय बदलावों पर परिवहन करने के लिए आवश्यक सेवाओं का आवास ।

महोदय,

अपर उत्तिक्षित अनुदान सहायता के अधीन जापान से श्रवण दृष्ट्य उपकरणों पर उनके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के नवं बंध में हम संबंध जापानी संभरक के पक्ष में बैंक अफ इंडिया टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं :

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।

(ख) भायस साइरेस फी संख्या, दिनांक और मूल्य और जब तक यह पैदा है ।

(ग) प्राधिक्रांति के तरीके द्वारा यह प्रत्यक्ष जारीव पर आधारित है या सीमित खुली निविश पर आधारित है । इस मामले में कारणों सहित यह निर्विष्ट करता है कि क्या संविदा का निर्णय तकनीकी प्रस्ताव के भावाल पर किया गया है ।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।

(ङ) माल का उद्गम देश ।

(च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) ।

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय रूपये में भारतीय एजेंट के कमीशन की भनराशि (येन में) ।

(ज) यह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।

(झ) जापानी संभरकों के भाष्य की गई संविदा को संख्या और दिनांक ।

(झ) जापानी संभरक का नाम और पता ।

(ट) वे भुगतान और संभावित विवि जिनसों नंबरों परिवर्तनों के अंतर्गत भुगतान देय होंगे ।

(ठ) माल की सुपुर्दों पूर्ण करने का प्रस्तुतिया नियित्रो ।

(ड) बैंक अफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रथेक सैट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए) ।

(ड) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहनान्तरण/ आंशिक पोतलदान) निर्दिष्ट भीजिए ।

(ग) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(त) बैंक अफ इंडिया, टोकियो के जमान कौन वहन करेगा । कृपया निर्दिष्ट करें ।

(थ) आयातक द्वारा विवरण द्वारा :

“हम एतद्विवारा बता देने हैं कि हम विदेशी संभरक फो बैंय भनराशि के समतुल्य रूपये की पूर्ण भनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रवतित वर पर यही दृष्ट्य से जमा करवा देंगे । माल (आधारित साभारी) के प्रत्येक परेवण की सुपुर्दों प्राप्त करने के पूर्ण राशि शोध ही जमा करवा दी जाएगी । विदेशी राइट्सों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाने हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है तो वे ही राशि जमा करवा दी जाएंगे ।

भवदीप,

अनुबन्ध—37

प्राधिकार पत्र सं—

सं. एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्रार्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनों

सेवा में

बैंक अफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय:— वर्ष 1989-90 के लिए 44 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से उपकरणों के भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए आवश्यक श्रवण दृष्ट्य उत्करण और सेवाओं का आवास । प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 25-4-1990 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्विवारा परिवहन में विए एए ब्यौरे के अनुसार संवेदी—को—ये न अधिकतम भनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (एनी) को पावां के बारे में संभरकों को सूचना दे और इस मूल्य का पत्र का एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राज दूतावाय, टोकियो और इस संभालय की पृष्ठाकित की जाए ।

3. प्राधिकार पत्र को शर्तों के अनुसार संभरकों का भुगतान परिवहन में विए सक्रियता दस्तावेजों के प्रावाह पर किया जाएगा ।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करने समय (आयातक के बैंक का नाम और पता (.....) मूल पोतलदान रस्तावेज तिक्के साथ प्राक्रम्य और प्रतिवित दस्तावेजों का पूरा मैट और संभरक को अदायगी के लिए नामे बीजक की प्रति, जिनसे अदायगी यदि कोई हो सेंजा जानी जाहिए ।

5. आपको आयातक द्वारा दस्तावेजों के रख-दर्दाव और सम्प्रदावर के संभरकों द्वारा बैंकों यदि कोई हो, के प्रमाणों सहित यद्य किए जाने वाले बैंकिंग भाड़ का निर्धारण सीधे आयातक बैंक द्वारा किया जाएगा ।

6. जैसे ही जापानी संस्करण द्वारा प्रस्तु किए गए नवाच दस्तावेज़ ।  
प्राविक के आधार पर अपेक्षित दायरा कोई भी सुनाता किया जाता है तो  
हमारी सूचना निर्वाचित प्रवक्त्र में इस संकालन और आवाहन के बैंक को  
भेजी जानी चाहिए ।

7. इस संकालन की विशेष घटनाकों के बिना सुनान के लिए  
प्राविकार पत्र के लिए कोई भी संगोष्ठी जारी नहीं किया जा सकता है ।

8. यह सुनाता प्राविकार पत्र-----तक बैंक बैंक रहेगा ।

9. कृपया इस संख्या का उल्लेख करें जो इस अधिकार पत्र के गोप्य  
पर वा गई है, इसे संविदा से संबंधित मारे पत्राचार और बाजार में भी  
अदायगी दर्शाते हुए, दिया जाए ।

भवदीप,

(मासा प्रविकारी)

प्रति निर्वाचित का प्रेषित :-

1. आवाहनकों को उपके पत्र स.-----  
दिनांक के ----- के संदर्भ में ।

उनमें संकालन है कि वे बैंकरों से विनियोग दस्तावेजों की डिलीवरी  
लेने से पूर्व निर्वाचित दर पर और तरीके से जापानी बैंकरों के माल्यम से  
संख्या नियोग आदि जारी करने का प्रबंध करें । दूर्वा विशेष नियमितियों  
के कारण जारी कर दिलीवरी भीष्म ही सीमांतरक और पत्र प्रविकारियों  
से मृत पाठ 13.7 दस्तावेज़ भेजे विना ही प्राप्त कर गो गई हो तो  
डिलीवरी लेने से पूर्व ही नियोग किए जाने चाहिए । यिन्हीं राष्ट्रियों  
द्वारा ही गई नेपाली के लिए सुनाता के मामले में जैसे ही संक्षेप बोजक  
सुनाता के लिए अनुमोदित हो जाए, नियोग कर दिए जाएं । नियोग  
जल्दी ही और ठीक से त करने पर नाइरेस की जारी में व्याउलिनिक  
आवश्यक कार्रवाई की जा रही है ।

2. आवाहनक के बैंकर -----। (1) यह ग्राविकार पत्र यैन यत्प्रदान के अंतर्गत आवाहनों का जारी करने वालों संबंधित  
लाइसेंस जारी के तहा जारी किया गया है । लाइसेंस जारी और संविधित  
सार्वजनिक सूचनाएँ ग्राविकार को देखे और ग्राविकार आवाहन के  
संबंध में उत्तर कर्रवाई करें ।

(2) उनों निवेदन दिया जाता है कि बैंक आक इंडिया, टोकियो  
श्रावा से सूचनाएँ प्राप्त करने पर जापानी संस्करण को जैसे सुनाता के  
बाबादर समय जब लारसे का व्यवस्था करें । संस्करण ही चुनाई गई  
धनराशि के बगादर सूचने को गणना सार्वजनिक सूचना में 8-प्राइटोरी  
(पोएन) /76, दिनांक 17-1-76 और 113-प्राइटोरी (पोएन) /8-8-89,  
दिनांक 6-4-89 ना प्राप्त हो तो, पर्वतनिह सूचना जो पर्याय समवय पर  
जारी को जाए के अनुपार जापानी संस्करणों को सुनाता करने का नियम  
को यथा प्रवित्त परिवर्तन की निपित्त द्वा पर को जाएगा । प्रवय 30  
दिनों के लिए 12% धार्यक दर से और हप्ते अविक व्यवधि के लिए  
18% धार्यक दर से ध्याया जो कि संस्करण को सुनाता को तारांश और  
जिस तारोख को समनूच्च सूचना गरकार के बीच में जारा किया जाए  
उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उन भी  
ग्राविजनिक सूचना में 31-प्राइटोरी (पोएन) /83, दिनांक 10-8-83  
और सार्वजनिक सूचना में 35-प्राइटोरी (पोएन) /83, दिनांक 26-8-83  
। अनुपार भारत सरकार के लेखे में जारा कराना है । बाज दोनों  
दोनों के लिए देख है अर्थात् वह दिन जब जापानी संस्करण का सुनाता  
किया जाता है और वह तारांश भी जब भारत सरकार के लेखे में राखा  
गया कराया जाता है । (जब भी इस दर में कोई परिवर्तन किया जाए  
से सूचित कर दिया जाएगा) 20-7-87 की मार्विजनिल सूचना में  
130-प्राइटोरी (पोएन) /95-88 की गर्वनुमार आवाहन द्वारा लिये  
गए जाने याएं की गणना निकटतम सूचने के गुणक में को जाएं ।

आहिए । यह सुनिश्चित कर देता चाहिए कि प्राविक की सीमांतरक  
निकामों के लिए आवाहन पराकरण दस्तावेजों का मूल सेट रिए जाते हैं  
पूर्व धनराशि जमा कर लो जाए ।

(3) वे धनराशियों या तो भारतीय रियर बैंक, नई दिल्ली या  
भारतीय स्टेट बैंक, तोम द्वारा दिल्ली में चालान के दातिनी और कोड  
म. 51300000099 दर्शाते हुए, जब कर्ता चाहिए, धनराशि स्टेट बैंक  
या के इंडिया का गणना की तरफ का उत्तरांशों या किनो राष्ट्रीयक बैंक  
(आवाहनक) से प्राप्त दिमांड इंडिया, जीक स्टेट बैंक आक इंडिया, तीस  
द्वारा, दिल्ली-6 (अंडेशी और आवाहन) में देख हो, के माल्यम से  
भेजा जाता चाहिए । इन संबंध से उनका ध्यान आकर्षित सार्वजनिक  
सूचना में 103-प्राइटोरी (पोएन) /76 दिनांक 12-10-1976 में दिए  
गए आवाहनों की ओर दिया जाता है । बड नाम गोरे तिसमें यादा  
जमा कराया है “के दिमांड इंडिया-एड इंडिया-843नंवित दिमांड,  
दिमांड भारत बैंक इंडिया दिमांड; कार पर्वेज एटसेट्रा अबरोड  
पर्वेज अबरोड एड पास दि गर्वेंट्र आफ जानान फार 1989-  
90 अबर दिल्लै है” । 44 मिनित यैन गोर एड एड काम पर्वेज आक  
इंडिया-सर्विस बैंक इंडिया दिमांड नामक अकर्तव्य ।

(4) जिन मामलों में तुल्य करना दिमांड बैंक आक इंडिया, नई दिल्ली  
या स्टेट बैंक आक इंडिया, तीस द्वारा दिल्ली में सार्वजनिक सूचना संख्या  
132-प्राइटोरी (पोएन) /71, दिनांक 5-10-71 के अनुपार नकार जमा  
किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके  
द्वारा निर्वाचित पते पर भेजता चाहिए, जिसके साथ बैंक आक इंडिया  
टोकियो साथा से प्राप्त सूचना दिमांडों का पूर्ण विवरण देते हुए एक  
अप्रेषण पत्र होना चाहिए ।

समुदाय नेता तथा नेता परामर्श नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, (आधिक कार्य विभाग),

इंडियन आयत भवन, 5 वी तल (बो शिंग),

जनपथ, नई दिल्ली-110001 ।

5. जिन मामलों में तुल्य एथा ऊपर मंकेनिक सार्वजनिक सूचना  
दिनांक 24-10-68 में यथा उत्तिवित दसानों हुए द्वारा प्रेषित करता  
है उसकी सूचनाएँ उपर्युक्त पते पर भेजी जाती चाहिए । यन्होंने मामलों में  
जारा किए गए तुल्य रूप तुकारा गए बाज की गणि और वह अधिव  
जितके लिए आव चित गया है, को पूरा आया इस विभाग को भेजता  
चाहिए ।

(6) बैंक आक इंडिया, टोकियो बौच के बैंक प्रभार और विदेशी  
संबंधों के बैंकों के प्रभार, यदि कोई हो, भी वे भास्त्रोप रियर बैंक के विमेन परेशनों में विनिश्चित  
किए गये हैं । इन संबंध में 18-8-1977 के ए.डी. परेशन में,  
22 वी और विशेष धारा आवाहित किया जाता है ।

3. भारतीय द्वारा, टोकियो ।

4. अवर मंत्रि, जमान अनुपार, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य  
विभाग, नई दिल्ली को आई.डी. स.-----दिनांक-----  
के मार्ग में ।

(मेजा प्रविकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO 79-ITC (PN)90-93

New Delhi, the 31st October, 1990

Subject—Cultural Grant Aid of yen 44 million (1989-90)  
Sangeet Natak Akademi—Licensing Condition—re-  
garding.

File No. IPC/23(64)/90-93.—The terms and conditions  
governing import of audio visual equipment and services

necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 Million (Yen 44,000,000) are contained in the Appendix to this Public Notice and are hereby notified for information.

TAJENDRA KHANNA, Chief Controller  
of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. 79/ITC (PN)/90-93, Dated 31-10-1990 Licensing Conditions for import of audio visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese cultural Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 Million (Yen 44,000,600). Section 1 General Conditions.

(i) The Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 million is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Sangeet Natak Akademi.

(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 48 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the supercription "Yen 44 Million Japanese Grant Aid for 1989-90". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

(v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1991.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 15-3-1991".

(vii) The contract value (FOB of C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be amount payable irrespective of the actual charges.

(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

(i) The contract is arranged in accordance with the agreement dated the 25th April, 1990 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90 and will be subject to the approval of both the Government.

(ii) Payments to the suppliers shall be made through an Authorization of Aid pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1989-90.

(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance for the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require in this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T&A), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 5 copies, copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annexure I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modification to the contents of contracts or in its price.

(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1989-90 of Yen 44 million, sent to the Agents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

(iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV—Responsibility for rupee deposit

(i) The original negotiable shipped documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the Nationalised banks, as mentioned in (O) in Annexure I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35/ITC (PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which

payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange not laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importer should ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the Customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advance 8443-Civil Deposits—Deposits not bearing interest Deposits for purchase etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1989-90 Grant for purchase of audio-visual equipment/services by the Sangeet Natak Akademi.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 and dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of Remittances and authority (if any)" of the Challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to pay) No. and Date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Accounts).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note.—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days

of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V—Miscellaneous Provisions

##### V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping documents etc. by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath; New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this grant Aid which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

##### V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment" provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

##### V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or others issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from all or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1989-90 from Japan.

##### V (v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

##### V (vi) List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P.

Annexure II :—Form of A/P.

#### ANNEXURE-I

#### REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To,

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
'B' Wing, 5th Floor,  
Janpath Bhavan, Janpath,  
New Delhi.

Subject.—Import of audi-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90.

Sir,

In connection with the import of audi-visual equipment services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we

furnish A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number Date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of Procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating no. of sets of which and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I. Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer.—“We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (materials imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers”.

Yours faithfully,

#### ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 1990

To

The Bank of India,

Tokyo Branch,

Tokyo (Japan),

Subject.—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 44 million for 1989-90 Issue of Authorisation to Pay

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-4-1990 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay in amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ to M/s. \_\_\_\_\_ as per details given in the appendix.

2. Please advise the supplier of the fact of receipt of this Authorisation to pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in the terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to \_\_\_\_\_ (Name & address of importers' Banker) the original shipping documents negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry

8. This A/P will remain valid upto.....

9. Please quote the number given at the top of the authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment

Yours faithfully,  
Account Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer \_\_\_\_\_ with reference to their letter No. \_\_\_\_\_ dated ..... They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker.....

(i) This Authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notices/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite

rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN) 76 dated 17-1-1976 and 113-ITC (PN) 88-89 dated 6-4-1989 or such other Public Notices as may be issued from time to time interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 percent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN) 83 dated 10-8-1983, and No. 35-ITC (PN) 83 dated 26-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account, (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN) 85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-77. The head of the account to be credited is 'K-Deposits & Advances-8443-CIVIL-Deposits—Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under Grant Aid from Govt. of Japan' for 1989-90 under detailed head 'Yen 44 million grant aid for purchases of equipment/services by the Sangeet Natak Akademi.

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New

Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), Indian Oil Bhawan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

(v) In case where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I. Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised Dealer in foreign exchange are prescribed in various AD Circulars of the RBI. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

### 3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. \_\_\_\_\_ dt. \_\_\_\_\_

( )  
ACCOUNT OFFICER

